



ओरांगूटान बेहद होशियार होते हैं यह बात पहले ही सावित हो चुकी है, विशेष रूप से बीज कुरेदेव कीड़ों को ढूँढ़ने के लिए दूल्स का इस्तेमाल करने जैसे कौशल के लिए। पर एक नई रिसर्च से पता चला है कि, ओरांगूटान जड़ी भूटी का इस्तेमाल करना भी जानते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि, उन्होंने एक नए सुमात्रान ओरांगूटान को घोड़े पर मार्गुरूट एक धाव का इलाज करते हुए देखा। उसने एक ऐसे पौधे की पत्तियों का रस और लुगाई अपने धाव पर लगाई, जो एंटी-इफ्लामेटरी और दर्द नियनक गुणों के लिए जाना जाता है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब जानवरों को खुद का इलाज करने हुए देखा गया है। बोर्नियन ओरांगूटान को अपने धाय पैरों पर ऐसे पौधों की पत्तियों को चबाकर लेप करते हुए देखा गया जिसका इस्तेमाल इसान दुखती मांसपेशियों के इलाज के लिए करते हैं। वहीं, चिपांजियों को, कृमि संक्रमण के इलाज के लिए जाते पौधों को चबाते और धाव पर कीड़ों को लगाते हुए भी देखा गया है। तथापि इन नई खोज में किसी जंगली जानवर को पहली बार खुले धाव का इलाज करते हुए देखा गया है। जर्मनी के मैक्सिनेक्ट इस्टीचूट ऑफ एनिमल बिहेवियर की विशेष शाश्वत लेखक डॉ. चॉर्ट्चूड खुद बैच की अव्यक्षता कर सकते हैं।

## मतदान के आंकड़े सार्वजनिक करने में विलंब व आनाकानी बर्दाश्त नहीं होगी?

**सुप्रीम कोर्ट दोबारा मतदान भी करा सकता है अगर चुनाव आयोग समय से पूर्ण आंकड़े जारी नहीं करता**

### -जाल खंडवाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-  
नई दिल्ली, 23 मई। सुप्रीम कोर्ट चुनाव को उन याचिकाओं की सुनवाई करेगा, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा चुनाव डेटा घोषित नहीं करने को चुनौती दी गई है।

अटकले हैं कि, सुप्रीम कोर्ट चुनाव रद् कर नए विरोध से चुनाव करनावे के आदेश भी दे सकता है। वालांकि अभी सुप्रीम कोर्ट में ग्रीष्मकास चल रहा है, परं चीफ रिस्टर्स एवं ईडिंग (सौ.जे.आई.) डी.वाइ. चॉर्ट्चूड खुद बैच की अव्यक्षता कर सकते हैं।

राज्यसभा सांसद कपिल सिव्हल ने कहा कि, बृथ वाहज़ मतदान के आंकड़े अगर चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर नहीं डालता है, तो, राजनीतिक पार्टियों का शक और मजबूत होता है कि, कुछ गडबड़ हो।

■ चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह दलील दी कि, विवेकहीन तरीके से हर बूथ पर हुए मतदान का आंकड़ा रिलीज़ करने से चुनाव प्रक्रिया में बेवजह “अव्यवस्था” फैलेगी और चुनाव करने वाली मशीनरी वैसे ही अभी चुनाव करने में व्यस्त है।

■ राज्यसभा सदस्य कपिल सिव्हल ने कहा कि, बृथ वाहज़ मतदान के आंकड़े अगर चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर नहीं डालता है, तो, राजनीतिक पार्टियों का शक और मजबूत होता है कि, कुछ गडबड़ हो।

■ चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से वेबसाइट पर अपने लगातार विवेकहीन तरीके से चुनाव करनावे के आदेश भी दे सकता है। वालांकि अभी सुप्रीम कोर्ट में ग्रीष्मकास चल रहा है, परं चीफ रिस्टर्स एवं ईडिंग (सौ.जे.आई.) डी.वाइ. चॉर्ट्चूड खुद बैच की अव्यक्षता कर सकते हैं।

राज्यसभा सांसद कपिल सिव्हल ने युरुवार को कहा कि, चुनाव आयोग द्वारा वाइज़ डेटा को विवेकहीन तरीके से वेबसाइट पर पोस्ट करने से चुनाव आयोग वेबसाइट पर नहीं दे रहा है। इसमें राजनीतिक दलों में संदेह पैदा हो रहा है कि, दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और उन्होंने हैरानी जाती है कि डेटा जारी करने में आवार समस्या है।

विवेकहीन अधिकारी सिव्हल ने कहा कि, जब पोलिंग एंडेट को दिया जाने वाले कार्फां 17 सी में एक पोलिंग स्टेशन पर नहीं होता है तो विवेकहीन तरीके से चुनाव करने के अनुसार मतदान प्रतिशत में बेवजह होता है।

चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि, फॉर्म 17 सी को अनुसार मतदान करने में समय लगता है। और उन्होंने दाले गए उन बॉट्स की संख्या होती है। और इसमें आवार समस्या नहीं है। और इसमें आवार समस्या नहीं है।









25 मई से बैंकोंक में शुरू होने वाले अंतिम पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर दूर्नामेंट में भारत कम से कम चार से पांच और कोटा स्थान हासिल कर सकता है। - सीए कुड़व्या

भारतीय सुन्दरबेणी क्लोच, 25 मई से बैंकोंक में शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर दूर्नामेंट में भारत के पदक जीतने पर।



### आज का खिलाड़ी ►

### ज्योति याराजी

एशियन गेम्स की जेत पदक विजेता ज्योति याराजी ने अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए एसोटोनेट जीपी ज्वालाकिला एलेटिक्स मीट में महिलाओं की 100 मीटर बाढ़ी दौड़ स्पर्धा जीतकर भी पेरिस ओलंपिक के लिए मापूरी अंतर से फिर क्वालीफाइ

नहीं कर पायी। फिलैंड के हरजून स्ट्रेडियम में बृद्धवार को हुई स्पर्धा में भले ही याराजी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने में सफल रही, लेकिन वह पेरिस 2024 ओलंपिक क्वालीफायर मार्क को पार करने में 0.01 सेकंड से छूक गई।

क्या आप जानते हैं? ... सबसे कम टेस्ट मैचों में 3000 रु बनाने और 350 विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान ने मात्र 79 टेस्टों में 3262 रु बनाए व 351 विकेट लिये।

# क्वालीफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स का हैदराबाद से मुकाबला आज

चेन्नई, 23 मई। ईडिंगन प्रीमियर लीग 2024 का दूसरा क्वालीफायर मुकाबला सप्ताह इंजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 24 मई को चेन्नई के एमए चिंदंबरम स्ट्रेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान ने एप्पलेटर मैच से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को हारकर दूसरे क्वालीफायर में अपनी जांच बनाई। अब हैदराबाद और राजस्थान में से जो भी टीम दूसरा क्वालीफायर जीतेगी। वह 26

मई को कोलकाता नाइटराइड्स के साथ चेन्नई में ही फाइल खेलेगी। हैदराबाद को पहले क्वालीफायर में केकेआर ने 8 विकेट से हराया था। दोनों ही टीमें फाइल में पहले के लिए पूरी जान लगा दी गई। तो आइए जानते हैं कि क्वालीफायर 2 में चेन्नई की पिच का तरह से खेल सकती है।

क्वालीफायर 2 की पिच रिपोर्ट-चेन्नई चेन्नई के एमए चिंदंबरम स्ट्रेडियम की पिच

का नेचर स्टो है। यहाँ की पिच काफी धीमी रहती है। स्पिनर्स को चेपॉक में काफी ज्यादा मदद मिलती है जबकि बल्लेबाज लागतार संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। यहाँ पर इतनी आसानी से बड़ा स्कोर नहीं नहाना है। बल्लेबाजों को देख सकती है। आईपीएल में यहाँ पर हल्ले थोड़ा टाइम देना पड़ता है। एक बार वह पिच को साझा गए तो बाद में बदल ही है। इस भी लागा सकते हैं। आईपीएल के इतिहास में इस मैदान पर

अब तक कुल 83 मैच खेले गए हैं। इसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 48 तो दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 35 मूकाबले जीते हैं। ऐसे में जो भी टीम टास जीतेगी वह पहले बल्लेबाजी करने के देख सकती है। आईपीएल में यहाँ पर हल्ले पारी का औसत स्कोर चेन्नई में 164 तो दूसरी पारी का 150 रन है।

सनराइजर्स हैदराबाद : अधिकेश शर्मा, ट्रेविस

हेड, हेनरिक ब्लासेन, एडेन मार्कोराम, अब्दुल समद, नितीश रेडी, शाहबाज अहमद, पैट कर्मिंस, भुवेश्वर कुमार, जयदेव उनाडकट, दी निटाजन, मंवंक मारकड़, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, रेनेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उंडर यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विक्कात व्याकांत, फजलुख फारसी, मार्केन वेनसन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सेमसन (कप्तान), आबिद मुस्ताक, आवेश खान, घृव जुलाई, डोनोवन फेरोरा, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह गरोटर, जावे बर्गर, नववीर सेनी, रविचंद्र अविनन, रियान पराणा, संवेद शमा, शमरेन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवेन पांचेल, दीम कोश्यांक, कैनेमोर, ट्रेट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन।

एंडी प्लावर ने कहा, आरसीबी को और बेहतर गेंदबाजों की ज़रूरत है

अहमदाबाद, 23 मई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के सुधा को एंडी प्लावर ने कहा कि चिन्नास्वामी स्ट्रेडियम की शीटों बांड़ी को देखते हुए टीम को और बेहतर गेंदबाजों को ज़रूरत है। बुधवार का राजस्थान रॉयल्स से मिली हारे के बाद प्लावर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम ने पहले चार में पिछड़ने के बाद बेहतरीन ढंग से वापसी की। जिस तरह से फाफ दूसरे सीढ़ी और चिरट कोहली की अगुवाई में युवा खिलाड़ियों ने प्रशंसन किया था और प्रशंसनीय है। जहाँ तक अगले चार में पिछड़ने के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हमें ऐसे गेंदबाजों को ज़रूरत होगी जो एक योजना के लिए खिलाड़ियों को खरीदने की ज़रूरत है तो इस पर चारों कानों अभी काफी जल्दबाजी होगी। हालांकि चिन्नास्वामी पर हमें चतुराई से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की ज़रूरत है क्योंकि वहाँ पर तेज गेंदबाजों से काम नहीं चलता। हम





 MARUTI SUZUKI

NEXA

# EXTEND YOUR PEACE OF MIND.

AVAIL 5 YEARS EXTENDED WARRANTY  
ON THE GRAND VITARA STRONG HYBRID.

**5 YEARS  
WARRANTY**

2 YEARS + 3 EXTENDED YEARS

**STRONG  
HYBRID**



**1200+km  
IN ONE FULL TANK<sup>#</sup>**

**INTELLIGENT ELECTRIC** 



PANORAMIC SUNROOF



VENTILATED SEATS



6 AIRBAGS



EV MODE



SMARTPLAY PRO+



DIGITAL MULTI-INFORMATION DISPLAY

<b>NEXA</b> <small>Safety Shield</small>	<ul style="list-style-type: none"> <li>■ SUZUKI-TECT BODY</li> <li>■ DUAL FRONT AIRBAGS</li> <li>■ ESP</li> <li>■ SEAT BELT PRE-TENSIONERS WITH FORCE LIMITERS</li> <li>■ ISOFIX CHILD SEAT ANCHORAGES</li> <li>■ PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE</li> <li>■ COMPLIANT WITH -           <ul style="list-style-type: none"> <li>• FULL FRONTAL IMPACT</li> <li>• FRONTAL OFFSET IMPACT</li> <li>• SIDE IMPACT</li> </ul> </li> </ul>
---	--

Features and accessories shown may not be a part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

"VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO GET EXCITING OFFERS UP TO ₹ 74 000\*"

Know more about the Advanced Grand Vitara

Scan to chat on WhatsApp



**UDAIPUR: NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580),

**NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 8306300695), **RAJSAMAND: NEXA RAJNAGAR** (TECHNOY MOTORS PH: 9251988300).



Maruti Suzuki offers warranty of 8 years on Strong Hybrid battery.

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and visit [www.nexaexperience.com](http://www.nexaexperience.com) to book online.

\*Terms & conditions apply. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to owner's manual. \*Fuel efficiency as certified by test agency under rule 115 of CMVR 1989, with Fuel Tank capacity of 45L range is 1258.65 km (45L x 27.97km/l) under standard test conditions. Results may differ depending on actual driving, road, and other conditions. Car model and accessories shown may vary from the actual product and car colour may vary due to printing on paper. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Offers applicable for Zeta+ and Alpha+ variants of Grand Vitara only. All offers are applicable till 31<sup>st</sup> May'24 or till stocks last. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. ^Maruti Suzuki offers warranty of ninety six (96) months or 1,60,000 kilometers (whichever occurs first) for Hybrid Electric Vehicle (HEV) battery from the date of invoice to the first owner.